पर्यवेक्षण आख्या जनपद–लखीमपुर खीरी

पत्र संख्या एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0/एम0 एण्ड ई0 /2016–17 / 04 / 74052–2–12, दिनांक 22.11.2016 को मिशन निदेशक द्वारा दिये गये आदेश के क्रम में अनुश्रवण एवं मूल्यांकन के अर्न्तगत क्षेत्रीय र्पयवेक्षण हेतु टीम द्वारा दिनांक 28–30 नवम्बर 2016 तक जनपद–लखीमपुर खीरी में भ्रमण किया गया एवं राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई के एम0 एण्ड ई0 अनुभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये फॉरमेट पर्यवेक्षण भ्रमण के दौरान टीम के सदस्यों द्वारा भरे गये जो इस पर्यवेक्षण आख्या के साथ संलग्न है।

टीम के सदस्यः–

1. *डा0 विकास सिंघल– उपमहाप्रबन्धक, आर0आई0, अनुभाग (टीम लीडर)*
2. *जमाल अहमद– कार्यक्रम समनव्यक, प्रशिक्षण/आर0टी0आई0 अनुभाग*
3. *पूजा देवी– कार्यक्रम समनव्यक, मातृ स्वास्थ्य अनुभाग*

जिला महिला चिकित्सालय, लखीमपुर–खीरी

28.11.2016 (प्रथम दिवस)

जिला महिला चिकित्सालय, लखीमपुर–खीरी

दिनांक 28.11.2016 को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के अधिकारियों से औपचारिक भेंट के उपरान्त टीम द्वारा जिला महिला चिकित्सालय का भ्रमण किया गया। चिकित्सालय के विभिन्न अनुभागों के निरीक्षण के उपरान्त निम्नवत आख्या से अवगत होना चाहें–

बाह्य रोगी विभाग (ओ0पी0डी0)–

- बाह्य रोगी विभाग (ओ0पी0डी0) भवन की स्थिति उत्तम थी एवं प्रांगण की सफाई व्यवस्था ठीक थी,
- चिकित्सालय में उपचार कराने हेतु उपस्थित महिला रोगियों की संख्या अधिक थी वो सब डाक्टर से उपचार कराने के लिये अपनी बारी आने के इन्तेजार में लाईन में खड़ी थीं। उनके बैठने हेतु ओ0पी0डी0 प्रांगण में कोई व्यवस्था नही की गई थी।
- ओ0पी0डी0 प्रांगण में स्वास्थ्य सम्बन्धि प्रचार प्रसार सामग्री नही थी।
- हाथ धोने के लिये तरल साबुन एवं तौलिया ओ0पी0डी0 कमरे में नही रखा गया था एवं हाथ धोने वाले स्थान पर हैण्ड वॉश प्रोटोकॉल पोस्टर नहीं पाया गया।
- Bio Medical Waste bins ओ0पी0डी0 कमरे में नही रखा गया था।
- हॉस्पिटल परिसर में अग्निशामक लगे हुये थे । निरीक्षण करने पर पाया गया कि अग्निशामक पर रीफिलिंग की तिथि एवं वैद्यता अंकित नही की गयी थी ।
- चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर या प्रांगण में Citizen Charter प्रदर्शित नही किया गया था।
- सुझाव/शिकायत पेटिका नही लगाया गया था।

चिकित्सालय प्रशासन को निरीक्षण टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि तुरंत ही सभी अग्निशामक की वैद्यता जांच कर रीफिलिंग कराई जाये तथा रीफिलिंग की तिथि एवं वैद्यता अंकित कराई जाये। ओ0पी0डी0 में पाई गयी समस्त कमियों को जल्द ही ठीक कर ली जाये। चिकित्सालय प्रशासन द्वारा भी टीम को अस्वस्थ्य कराया गया की वे उपरोक्त सभी कमियों को जल्द ही ठीक करा लेंगें।

प्रसव कक्ष/ओ.टी.एवं वार्ड–

- प्रसव/इमरजेंसी कक्ष में माह अक्टूबर 2016 के रजिस्टर में दर्ज रिकार्ड के मुताबिक औसतन 25–30 प्रसव प्रति दिन कराया जा रहा है।

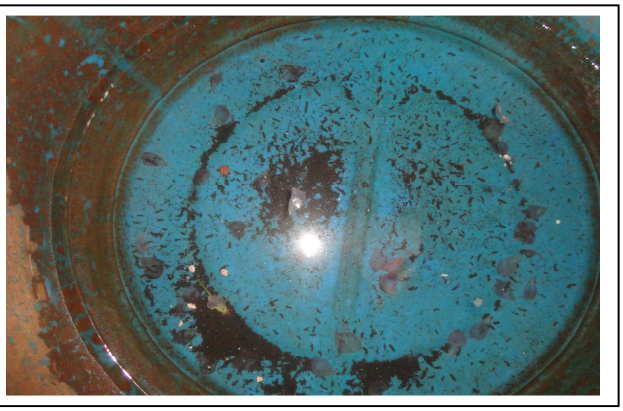

- प्रसव कक्ष का ड्यूटी रोस्टर प्रदर्शित नहीं था जिसे निरीक्षण करते समय ब्लैकबोर्ड पर लिखने को कहा गया । नवजात शिशुओं को दी जाने वाली जीरो डोज (बी सी जी, ओ पी वी एवं हेपेटाइटिस) को प्रसव रजिस्टर में अद्यतन नहीं किया जा रहा था। निरीक्षण करते समय प्रसव रजिस्टर को अद्यतन करने के लिये कहा गया ।

- प्रसव कक्ष में लगा Mosquito Trapper खराब था जिसे टीम द्वारा तत्काल ठीक कराने का सुझाव दिया गया।

- प्रसव कक्ष में रखे ड्रम में कॉफी दिनों से पानी जमा था जिसमें मच्छर के लारवा पनप रहे थे जिसे टीम द्वारा तत्काल हटवाया गया।

- प्रसव कक्ष में काफी गन्दगी का अम्बार पाया गया जो अस्पताल प्रशासन के लचर व्यावस्था को दर्शाता है।

- प्रसव कक्ष से लगे उस कमरे में जिसमें बेड पर बिछाने वाली चादरों को रखा जाता है उस कमरे में आवारा कुत्तों ने डेरा जमा रखा था।

- प्रसव कक्ष के पास ही वार्ड स्थित है जिसमें गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं के रुकने की व्यवस्था है। वार्ड में भी गन्दगी पाई गयी। पीने के पानी का भी उचित व्यवस्था नही की गयी है। डाईट मानकानुसार नही दिया जा रहा था। डाईट रजिस्टर उपलब्ध था एवं उस पर अंकन किया जा रहा था।

- किसी भी प्रसूति के बेड पर चादर नही बिछी हुई थी। पूरे वार्ड में सिर्फ एक बल्ब जल रहा था बाकी सारे खराब थे। Bio Medical Waste bins नही रखा गया था।
- शौचालय की स्थिति काफी खराब है। उपयोगार्थ नही है।

- प्रसव कक्ष में आवश्यक ट्रे नही रखे गये थे एवं वहां कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल /सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रॉल की जानकारी नही थी।

- ओ.टी. में हब कटर मौजूद था एवं काम कर रहा था। हाथ धोने के लिये तरल साबुन एवं तौलिया कक्ष में नही रखा गया था एवं हाथ धोने वाले स्थान पर हैण्ड वॉश प्रोटोकॉल पोस्टर नहीं पाया गया।
- निरीक्षण टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि ऑपरेशन थिएटर एवं प्रसव कक्ष में एल्बो टेप लगाये जाये ।

- JSY लाभार्थी को भुगतान के लिये नया फार्मेट प्रयोग में लाया जा रहा था परन्तु लाभार्थी को भुगतान प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था।

- मेटरनल डेथ रिपोर्ट की जा रही थी परन्तु डेथ ऑडिट के बारे में कोई जानकारी व रिकार्ड उपलब्ध नही थी।

<u>एन बी एस यू –</u>

- उत्तम प्रकार से व्यवस्थित एवं स्वच्छ था। रेडियंट वार्मर भी क्रियाशील पाए गये एवं उपयोग किया जा रहा था ।

- स्तनपान कराने हेतु एन.बी.एस.यू. मे ही अलग कमरा बनाया गया है परन्तु वहां बैठने की व्यवस्था नही की गयी है।

- सफाई की व्यवस्था अच्छी थी। वहां कार्यरत स्टाफ नर्स को एन.बी.एस.यू. प्रोटोकॉल /सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रॉल की जानकारी थी।

- **<u>औषधि स्टोर</u>** – औषधि का भण्डारण ठीक प्रकार से किया जा रहा था एवं व्यवस्थित था परन्तु औषधि की सूची प्रदर्शित नही किया गया था।
- **<u>कोल्ड चेनः</u>** कोल्ड चेन कक्ष में प्रोटोकॉल पोस्टर प्रदर्शित नहीं थे । दो आई एल आर एवं दो डीप फ्रीजर उपलब्ध एवं क्रियाशील पाये गये । एक आई एल आर में स्टेबलाईजर नहीं लगा पाया गया तथा वो डायरेक्ट विद्युत लाइन से जुड़ा हुआ था । जिसमें स्टेबलाईजर को बदलने अथवा सही करने के लिये कहा गया। एक आई एल आर में थर्मामीटर क्रियाशील नहीं पाया गया । ओ पी वी डीप फ्रीजर में पायी गयी जिसे तत्काल वहाँ से आई एल आर में स्थानांतरण किया गया ।

- **<u>ब्लड स्टोरेज</u>** – ब्लड बैंक महिला चिकित्सालय में नहीं था । आवश्यकता पड़ने पर पास के पुरुष जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक से ब्लड लिया जा रहा है ।

- **<u>हॉस्पिटल बायोवेस्ट डिस्पोजलस</u>**– की व्यवस्था नही की गई है अभी किसी भी फर्म के साथ अनुबन्धन नही किया गया है।निरीक्षण में वेस्ट डिस्पोजल के लिये उपयोग में लायी जाने वाली कलर कोड बिन्स की व्यवस्था को सभी उचित स्थान पर उपलब्ध कराने के लिये बताया गया । साथ ही बायो वेस्ट डिस्पोजल हेतु टेण्डर प्रक्रिया अपना कर जल्द ही किसी फर्म से अनुबन्धन का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।

- चिकित्सालय के कर्मियों एवं स्टाफ नर्स द्वारा दो पहिया वाहन चिकित्सालय के अन्दर खड़ी की जा रही थी जिसे टीम द्वारा हटवाया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मितौली

29.11.2016 (द्वितीय दिवस)

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मितौली, जनपद मुख्यालय से लगभग 45 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। जो लगभग 2 लाख की आबादी को कवर कर रहा है। दिनांक 29.11.2016 को टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मितौली का भ्रमण किया गया।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरकारी भवन में क्रियाशील था । स्टाफ पर्याप्त संख्या में कार्यरत एवं उपलब्ध थे । पर्याप्त संख्या में रहने योग्य आवास उपलब्ध थे ।
- परिसर में सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पायी गई। 24X7 पानी की व्यवस्था उपलब्ध थी
- ई०डी०एल०लिस्ट (Essential Drug List) नही लगी हुयी थी ।
- इमरजेंसी ड्यूटी रोस्टर उपलब्ध नहीं थे द्य बिजली की उचित व्यवस्था थी एवं बिजली के ना रहने पर जनरेटर लगे हुये थे ।
- वेटिंग एरिया में प्रचार–प्रसार सामग्री का अभाव था, जिसे प्रदर्शित करने के लिये कहा गया ।
- पीने के पानी के स्थान स्वच्छ था एवं पानी की पर्याप्त व्यवस्था थी ।
- लेबर रूम में "न्यू बोर्न केयर कार्नर" था किन्तु रेडियंट वार्मर उपयोग नहीं किया जा रहा था, जिसे तत्काल ही उपयोग में लाने के लिये कहा गया ।
- औषधि का भण्डारण उचित प्रकार से नही किया जा रहा था। स्टॉक रजिस्टर मेंनटेन नही किया गया है।

- लेबर रूम में प्रोटोकॉल पोस्टर पदर्शित नही थे । लेबर रूम में आटोक्लेव (Autoclave) भी कार्य नहीं कर रहा था । स्टेरलाईजड़ डिलीवरी सेट उपलब्ध नहीं थे । लेबर रूम में आटोक्लेव (Autoclave) तुरंत सही कराने के लिये कहा गया ।

- चिकित्सालय प्रांगण में अग्निशामक की व्यवस्था नही की गई थी।

- महिला वार्ड में कुल 6 प्रसूता भर्ती थी। उन्हें जे०एस०एस०के० के अंतर्गत निशुल्कः भोजन एवं औषधि उपलब्ध करायी जा रही थी, सफाई व्यवस्था संतोषजनक थी। कम वजन के नवजात बच्चों को बी०सी०जी० एवं हेपेटाइटिस बी की जन्म वाली खुराक नहीं दी जा रही थी । उक्त खुराक दिए जाने के लिये कहा गया ।

- अभिलेखों के रख रखाव मे काफी सुधार की आवश्यकता है।

- चिकित्सालय के किसी भी कक्ष में Colour Coated, Bio Medical Waste bins नही रखा गया था।

- आर.के.एस.के. काउन्सलर द्वारा किशोरियों की काउन्सलिगं नही की जा रही थी परन्तु रजिस्टर में . काउन्सलर द्वारा फर्जी आंकड़े दर्ज (Fake Entry) किये जा रहे थे।

- JSY लाभार्थी एवं आशा इन्सेन्टिव का भुगतान किया जा रहा था।

- लेबर रूम/ डाईट/ ए0एन0सी0 रजिस्टर उपलब्ध थे एवं उनमें अंकन कार्य किया जा रहा था।

- मातृ मृत्यु रिपोर्ट की जा रही थी परन्तु उसका ऑडिट नही कराया गया था।

- आशा/ए0एन0एम0 को एच0आर0पी0 इन्सेन्टिव के बारे में जानकारी नही थी।

- डेन्टल हाईजिनिस्ट के पद पर श्री परमेन्द्र सिंह की नियुक्ति 05 सितम्बर 2013 को की गई है परन्तु उन्हें एक कुर्सी के अरिक्त डेन्टल से सम्बन्धित Instrument उपलब्ध नही कराये गये हैं। जिस कारण उनके द्वारा कोई कार्य नही किया जा रहा है।

- **हॉस्पिटल बायोवेस्ट डिस्पोजलस**– किसी भी फर्म के साथ अनुबन्धन नही होने के कारण इसकी सुविधा उपलब्ध नहीं है। चिकित्सालय से निकले कचरे को खुले में जला दिया जा रहा है। चिकित्सालय प्रांगण में जगह जगह इस्तेमाल किये हुये सिरिन्ज पाये गये।

- चिकित्सकों द्वारा रोगियों को बाहर की दवाईयां लिखि जा रही है।

मुख्य चिकित्साधिकारी के साथ मीटिंगः–

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मितौली भ्रमण के उपरान्त दिनांक 29.11.2016 को सांय काल में मुख्य चिकित्साधिकारी, लखीमपुर खीरी के साथ मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में दल की मीटिंग की गई। दल द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी, लखीमपुर खीरी के समक्ष भ्रमण आख्या प्रस्तु की गई।

मुख्य चिकित्साधिकरी, लखीमपुर खीरी से की गयी वार्ता एव दिये गये सुझााव :–

- राज्य स्तर से समय–समय पर दिये गये दिशा–निर्देशो का सभी स्वास्थ्य इकाईयों का स समय उपलब्ध कराया जाय।
- बैठकों में समस्त अधिकारियों को दिशा–निर्दैशों एवं अवमुक्त की गयी धनराशी के नियमानुसार व्यय हेतु अवगत कराया जाय।
- एफ0आर0यू0 पर मानव संसाधन का रिलोकेशन एवं आन काल टीम बनाकर क्रियाशील किये जाने हेतु सुझाव दिया गया।
- बायों मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट हेतु तत्काल टेण्डर कर एजेन्सी का चयन कर लिया जाये जिससे कि बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट की प्रक्रिया नियमित रुप से संचालित की जा सके।
- एम0सी0टी0एस0 पोर्टल पर गर्भवती महिला एवं बच्चों का पंजीकरण किया जायें जिससे की गर्भवती महिलाओं के एम0सी0टी0एस0 कोड का ससमय प्रयोग कर पी0एफ0एम0एस0 द्वारा जे0एस0वाई0 हेतु भुगतान किया जा सके।
- समस्त इकाईयों पर मानकानुसार प्रचार प्रसार सामग्री तथा प्रसव कक्ष के प्रोटोकॉल पोस्टर सही स्थान पर प्रदर्शित किये जाये।

मुख्य चिकित्साधिकरी, लखीमपुर खीरी द्वारा उन कमियों को जल्द ही दूर करने का आशवासन टीम को दिया गया।

वी0एच0एन0डी0(सामुदायिक गतिविधियां)
भ्रमण क्षेत्रः– प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ऑयल
30.11.2016 (त्रितीय दिवस)

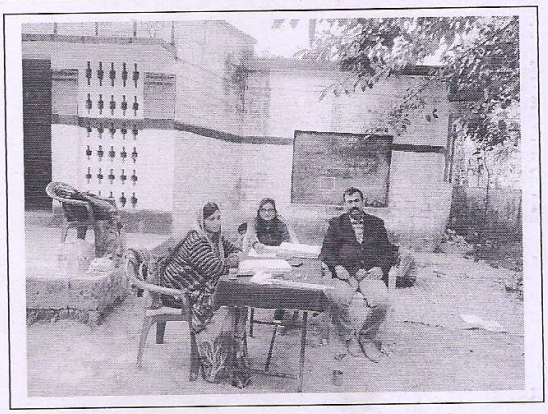

दिनांक 30.11.2016 को वी0एच0एन0डी0 (सामुदायिक गतिविधियां) के पर्यावेक्षण हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के मेडिकल ऑफिसर से प्लान प्राप्त कर गांव–जगतिया एवं गुलरी पुरवा का दल द्वारा भ्रमण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पाये गये अवलोकन बिन्दु निम्नलिखित है –

- वी0एच0एन0डी0 के दौरान ए.एन.एम. के पास लाल एवं काली थैली नही थी।
- प्रिन्टेड टैलीशीट एवं चेकलिस्ट मौजूद नही था।
- हब कटर (निडिल कटर) मौजूद था परन्तु काम नही कर रहा था।
- टीकाकरण के उपरान्त लाभार्थीयों की आई.ई.सी. नही की जा रही थी।
- प्राथमिक विद्यालय गुलरी पुरवा में आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा विद्यालय का भ्रमण किया जा चुका था। आयरन फौलिक एसिड की गोलियां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है एवं प्रत्येक सोमवार को बच्चों को गोलियां खिलाई जाती हैं।

पूजा देवी
प्रोग्राम कोआर्डीनेटर

03/12/16
जमाल अहमद
प्रोग्राम कोआर्डीनेटर

डा0 विकास सिंघल
उपमहाप्रबन्धक